कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है। **20x02=40**

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

प्रश्नः (1.1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर, एक या दो पंक्तियों में दीजिए।

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (A) हथनौरा - भारत में मध्यप्रदेश के सीहोर जिले के नर्मदा घाटी के किनारे बसे "हथनौरा" गाँव से "नर्मदा मानव" की खोज डा.अरुण सोनकिया ने 1982 में की थी।

प्रश्नः (1.2) (B) भवभूति - भवभूति का जन्म भारत में हुआ था। भवभूति एक प्रसिद्ध नाटककार थे। उपनाम - श्रीकंठ था।

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (B) भवभूति को "कन्नौज के राजा यशोवर्मन का दरबारी कवि माना जाता है। इनके गुरु का नाम - ज्ञाननिधि था। भवभूति की रचनाएँ - मालतीमाधव, महावीरचरितम्, उत्तररामचरितम्।

प्रश्नः (1.3) (C) गणगौर उत्सव।

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (C) गणगौर उत्सव :- गणगौर राजस्थान एवं मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के निमाड़, मालवा, बुन्देलखण्ड और ब्रज क्षेत्रों का एक त्यौहार है। जो चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की तृतीया को आता है।

प्रश्नः (1.4) (D) भारत भवन

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (D) भारत भवन :- भारत के शहर भोपाल में स्थित एक विविध सांस्कृतिक केन्द्र एवं संग्रहालय है। इस भवन के सूत्रधार - चार्ल्स कोरिया थे। निर्माण - 1980, उद्घाटन - 13 फरवरी 1982।

प्रश्नः (1.5) (E) मिर्ची महोत्सव

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर : (E) मिर्ची महोत्सव - मिर्ची महोत्सव राज्य के कारोबारियों, निवेशकों और निर्यातकों के लिए एक बड़ा व्यापारिक अवसर होता है। मध्यप्रदेश में 'निमाड़ी मिर्च' देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। मध्यप्रदेश सरकार ने इसका शुभंकर "चिली चाचा" दिया है।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न है, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंको का है। 20x02=40

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

प्रश्नः (1.6) (F) कसाईखाना आन्दोलन

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (F) कसाईखाना आन्दोलन :- मध्यप्रदेश के सागर जिले में अंग्रेजी शासनकाल के दौरान वर्ष 1920 में सागर के रतौना जिले से यह आन्दोलन हुआ। इसके नायक - अब्दुल गनी, पं. माखनलाल चतुर्वेदी थे।

प्रश्नः (1.7) (G) मनसुखा

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (G) मनसुखा :- मनसुखा लोकनाट्य है। यह लोक प्रहसन है जिसे राय का बघेलीरूपान्तर माना जाता है। इसमें दो सेच और दो पदों का प्रयोग होता है। त्यौहार, उत्सव पर किया जाता है।

प्रश्नः (1.8) (H) धमौनी का किला

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (H) धमौनी का किला :- मध्यप्रदेश के सागर जिले में स्थित है। आइन-ए-अकबरी में इसका उल्लेख मालवा सूबे में रायसेन की सरकार के महाल के रूप में किया गया है। गढ़ा मंडला वंश के - सूरतशाह ने बनवाया।

प्रश्नः (1.9) (I) रामनगर का किला

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (I) रामनगर का किला :- गोंडराजा हृदयशाह द्वारा मध्ययुगीन ऐतिहासिक गाँव रामनगर बसाया गया। रामनगर में हृदयशाह अन्य गोंड राजाओं के भग्नावशेष ही प्रमुख हैं :- मोतीमहल, रानीमहल, रायभगत की कोठी।

प्रश्नः (1.10) (J) विद्याधर

पू./M = 02 प्राप्तांक

उत्तर (J) विद्याधर :- जन्म - 21 सितम्बर 1003 ईस्वी, महोबा मृत्यु - खजुराहो राजवंश - चन्देल। विद्याधर मध्यभारत के महान हिंदू राजपूत सम्राट थे। विद्याधर ने महमूद गजनी को हराया था। विद्याधर का शासन काल -

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 1. इस प्रश्न में 20 अति लघुत्तरीय उप-प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/ एक पंक्ति होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं । प्रत्येक प्रश्न 02 (दो) अंकों का है।

Que. 1 This question contains 20 very short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 10 words/one line. All questions are compulsory. Each question carries 02 (Two) Marks.

20x02=40

प्रश्नः (1.11) (K) मदनवर्मन — पू./M = 02, प्राप्तांक

उत्तर : (K) मदनवर्मन :- राजवंश - चंदेल शासनकाल - 1128- 1165 ईसवीं यह बुंदेलखंड (मध्यप्रदेश) और उत्तरप्रदेश (बुंदेलखंड) के शासक के रूप में सफल हुए।

प्रश्नः (1.12) (L) सारंगदेव — पू./M = 02, प्राप्तांक

उत्तर : (L) सारंगदेव :- सारंगदेव भारत के संगीतरत्नाकर नामक महत्वपूर्ण ग्रंथ की रचना की। यदराजा सिंघण का दरबारी कवि था।

प्रश्नः (1.13) (M) भावसिंह — पू./M = 02, प्राप्तांक

उत्तर : (M) भावसिंह :- पिता - राजा अनूपसिंह। शासक - रीवा राज्य शासनकाल (1675-1692 ई०)। भावसिंह का कार्यकाल ही बघेलखण्ड के पतन का प्रमुख कारण रहा।

प्रश्नः (1.14) (N) काशीराव होल्कर — पू./M = 02, प्राप्तांक

उत्तर : (N) काशीराव होल्कर :- वंश :- होल्कर शासनकाल - 1797-99 ई०। पेशवा और दौलतराव सिंधिया के सहयोग से शासक बना।

प्रश्नः (1.15) (O) दौलतराव सिंधिया — पू./M = 02, प्राप्तांक

उत्तर : (O) दौलतराव सिंधिया :- ये ग्वालियर के महाराजा थे। शासनकाल - (1794- 1827) इनके शासन में बसई की संधि तथा सुर्जी अर्जुनगाँव की संधि के नाम से प्रसिद्ध है। 1802 में बसई या बेसिन की संधि मराठों के साथ हुई थी।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

प्रश्नः (2.1) बैजाबाई पर टिप्पणी कीजिए। पू./M = 05 प्राप्तांक

(2-A)

उत्तर : बैजाबाई :- अन्य नाम - बाजाबाई या बायजा बाई। जन्मवर्ष - 1784
जन्मस्थान - कागल कोल्हापुर (महाराष्ट्र)। मृत्यु 1863।
पति का नाम - दौलतराव सिंधिया। शासन अवधि - 12.02.1798
से 1833 तक। ये दौलतराव सिंधिया की तीसरी पत्नी थी।
वह एक शानदार घुड़सवार के रूप में जानी जाती थी।
वह अंग्रेजों के साथ मराठा युद्ध के दौरान अपने पति के साथ गई
थी और वह असाय की लड़ाई में आर्थर वैलेस्ली ड्यूक ऑफ वेलिंग्टन
के खिलाफ लड़ी थी। महारानी बैजाबाई ग्वालियर रियासत की बैंकर के
रूप में कार्य किया। 1828 में बनारस में ज्ञानवापी कुएं के चारों तरफ कॉलोनेड बनाया।

प्रश्नः (2.2) जयाजी राव सिंधिया पर टिप्पणी कीजिए। पू./M = 05 प्राप्तांक

(2.B)

उत्तर : जयाजीराव सिंधिया - ये ग्वालियर के महाराजा थे। जन्म - 19 जनवरी
1835 ग्वालियर। शासनकाल - 1843 - 1886 ई०। इनका अन्य नाम
भागीरथराव था। इनके शासन में हुआ युद्ध - 28 दिसम्बर 1843 (अंग्रेज
व सिंधिया) के मध्य। सिंधिया की हार हुई जिसके बाद शासन - कौंसिल
ऑफ रीजेन्सी को सौंप दिया गया। सैन्य शक्ति सीमित कर दी गयी।
स्थापत्य एवं राजस्व व्यवस्था :- जयविलास, राजमहल तालाब। इन्हीं के
शासनकाल में भूमि बंदोबस्त व्यवस्था लागू की गई।
1857 की क्रांति में भूमिका :- 1857 की क्रांति में ग्वालियर के सिंधिया
वंश की भूमिका संदेहास्पद है। इन्हीं के शासन काल में हुई परंतु ये आगरा
चले गये। इन्होंने विद्रोहियों का प्रत्यक्ष न होकर अप्रत्यक्ष समर्थन किया था।

प्रश्न 2. इस प्रश्न मे 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रश्न मे आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

प्रश्नः (2.3) (2-C) तुकोजीराव होल्कर - तृतीय पर टिप्पणी कीजिए।

पू./M = 05

प्राप्तांक

उत्तर : तुकोजीराव होल्कर तृतीय - वंश - होल्कर शासनकाल - 1903 से 1926 ई०) / जन्म - 26 नवम्बर 1890 महेश्वर () मृत्यु - 21 मई 1978 पेरिस फ्रांस / इनके समय 1914 ई० में इंदौर में क्षयरोगियों के लिए एक सैनिटोरियम खोला गया / 1914 ई० में ही इंदौर में हुकुमचंद मिल की स्थापना की गई / पिपल्या में एक कृषि केन्द्र अनुसंधान खोला गया / 1914 ई० में ही यूरोप में 'प्रथम विश्व युद्ध' हुआ जिसमें इन्होंने अंग्रेज सरकार की सहायता की / इन्होंने विधवा विवाह और सिविल मैरिज कानून बनाया /

प्रश्नः (2.4) (2-D) धंगदेव पर टिप्पणी कीजिए /

पू./M = 05

प्राप्तांक

उत्तर : धंगदेव :- राजवंश - चंदेल शासनकाल - 950 से 1008 ई० इन्होंने जेजाकभुक्ति क्षेत्र, जो वर्तमान में मध्यप्रदेश में शासन किया था / ये यशोवर्मन का पुत्र था / धंगदेव ने 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारण की थी / धंगदेव ने कालिंजर पर अधिकार करके उसे अपनी राजधानी बनाया था / इसके दरबार में 'प्रभास' विद्वान ब्राह्मण थे / चंदेलों की वास्तविक स्वाधीनता का जनक 'धंग' को ही माना जाता है / स्थापत्यकला में योगदान :- खजुराहो के "विश्वनाथ मंदिर अभिलेख" में उसे कौशल, क्रथ, सिंहल और कुंतलराज्य का विजेता बताया गया है "विश्वनाथ मंदिर बनाया / खजुराहो में पार्श्वनाथ मंदिर बनवाया था /

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

प्रश्नः (2.5) 2.E खजुराहों के चतुर्भुज मंदिर पर टिप्पणी कीजिए।

पू./M = 05

प्राप्तांक

उत्तर : खजुराहों का चतुर्भुज मंदिर :- स्थिति :- यह मंदिर जतकारा ग्राम के दक्षिण में स्थित है। यह एक "विष्णु मंदिर" है। इसमें अर्धमंडप मंडप, संकीर्ण अंतराल के साथ-साथ गर्भगृह है। यह मंदिर दक्षिणी मंदिर समूह में स्थित है। इस मंदिर में परिक्रमा पथ नहीं है। बलुवे पत्थर से निर्मित खजुराहों का यह एकमात्र ऐसा मंदिर है जिसमें मिथुन प्रतिमाओं का सर्वथा अभाव दिखाई देता है। चतुर्भुज मंदिर के द्वार के शार्दूल सर्पिल प्रकार के हैं। चंदेलवंश के राजाओं ने बनवाया था। इस मंदिर में "त्रिदेव" के दर्शन करने को मिल जाते हैं।

प्रश्नः (2.6) 2-F मध्य प्रदेश की शिल्पकला पर टिप्पणी लिखिए।

पू./M = 05

प्राप्तांक

उत्तर : मध्यप्रदेश में शिल्पकला :- मध्य प्रदेश में शिल्पकला बहुत पुरानी परंपरागत कला है जो कि मुख्यरूप से मध्यप्रदेश के "जन जाति" समुदाय के लोगो का मुख्य व्यवसाय था। मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण शिल्पकला :- 1. मिट्टी शिल्प → धार, झाबुआ, रीवा, शहडोल आदि। 2. काष्ठ शिल्प :- मंडला, बैतूल, होशंगाबाद। 3. बाँस शिल्प :- मंडला और मंडला क्षेत्र। 4. खराद कला :- खराद कला में खराद पर लकड़ी को सुडौल बनाकर रूप दिया जाता है। श्योपुर, रीवा। 5. कंघी कला :- उज्जैन, रतलाम नीमच आदि में। "बंजारा" जाति के लोग का व्यवसाय है। 6. गुड़िया शिल्प :- ग्वालियर अंचल। 7. महेश्वरी साड़ी :- यह कला महारानी अहिल्याबाई की भेंट जाती है।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

पू./M = 05

प्राप्तांक

प्रश्नः (2.7) टंट्या भील पर टिप्पणी कीजिए?

2-G

उत्तर : टंट्याभील :- जन्म - 26 जनवरी 1842, खण्डवा । मृत्यु - 4 दिसम्बर 1889 जबलपुर । अंतिम स्थान - पातालपानी
प्रसिद्धि कारण :- भारत के पहले स्वाधीन आंदोलन में सक्रिय भागीदारी । टंट्याभील 1878 और 1889 के बीच भारत में सक्रिय जननायक थे । इनका वास्तविक नाम - टंड्रा था । आम जनता उन्हें 'टंट्या मामा' बुलाती थी । इनको भारत का "रॉबिनहुड" कहा जाता है । ये "भील समुदाय" के थे । टंट्या भील की वीरता और अदम्य साहस से प्रभावित होकर तात्या टोपे ने उन्हें "गुरिल्ला युद्ध" में पारंगत बनाया था ।

पू./M = 05

प्राप्तांक

प्रश्नः (2.8) 1857 की क्रांति "मालवा क्षेत्र" में बताए?

2-H

उत्तर : 1857 की क्रांति और मालवा क्षेत्र :- मालवा यानी वर्तमान मध्यप्रदेश के उज्जैन, इंदौर के आस-पास का करीब 200 KM का क्षेत्र । वर्ष 1857 के स्वतन्त्रता संग्राम में क्रांति की ज्वाला जगाए थे बलिदानी महाराणा बख्तावर सिंह । मालवा क्षेत्र में क्रांति का बिगुल फूंकने वाले महाराणा बख्तावर ने कई अंग्रेज अधिकारियों को मार गिराया था । मात्र 34वें वर्ष की अवस्था में 10 फरवरी 1858 को शहीद हो गए थे । महू, आगर, नीमच, मंडलेश्वर में भी अमझेरा के महाराणा समर्थन में सेना थी । इस प्रकार महाराणा बख्तावर सिंह ने मालवा में महान क्रांति का बिगुल फूंका था ।

प्रश्न 2. इस प्रश्न में 08 लघु उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 50 शब्द/ 5 से 6 पंक्तियाँ होगी। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यार्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 5 (पाँच) अंकों का है। 08x05=40

Que. 2 This question contains 08 short answer type sub-questions. Answer each question in ideal 50 words/5 to 6 lines. All questions are compulsory. Internal choice can be given in the question. The candidate has to explicitly indicate the opton choosen. Each question carries 5 (Five) marks.

प्रश्नः (2.1) ओरछा दुर्ग की 'वास्तुकला' पर टिप्पणी लिखिए। पू./M = 05 प्राप्तांक

(2-I)

उत्तर : ओरछा दुर्ग → ओरछा किला जो भारत के मध्यप्रदेश में है। इस किले को 16वीं शताब्दी के ओरछा राज्य के राजा रुद्र प्रताप सिंह ने बनवाया था। यह निवाड़ी जिले में बेतवा नदी और जामनी नदी के संगम से एक छोटा सा द्वीप बना है।

वास्तुकला :- ओरछा किले की वास्तुकला बुन्देलखंडी और मुगल प्रभावों का मिश्रण है। ओरछा का किला में "जहांगीर महल" चार चाँद लगाता है जिसे "one night palace" कहते हैं। इसके प्रवेश द्वार पर पत्थर से बनी हाथी है तथा बीच में चौकोर आंगन की महल चार मंजिला है। अन्य - राजा का महल, शीशमहल आदि है।

प्रश्नः (2.2) चन्देरी साड़ी का क्षेत्र एवं विशेषताएं बताइए। पू./M = 05 प्राप्तांक

(2-J)

उत्तर : चन्देरी साड़ी → मध्यप्रदेश राज्य के अशोक नगर जिले में स्थित चंदेरी नामक स्थान चन्देरी साड़ी के देश दुनिया में प्रसिद्ध है। मध्यप्रदेश में सबसे पहले राजा शिशुपाल ने चंदेरी फैब्रिक की खोज की थी।

विशेषता :- चंदेरी कपड़े सूती धागे से रेशम और सुनहरी जरी की बुनाई से तैयार किये जाते हैं जिसके परिणामस्वरूप एक झिलमिलाती बनावट का निर्माण होता है। चंदेरी कपड़े पर बुटियाँ और रूपांकन मुख्यरूप से सुई के साथ हथकरघा पर हाथ से बुने जाते हैं।

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.4) मध्यप्रदेश के यूनेस्को में शामिल स्थलों पर टिप्पणी कीजिए।

(3-A)

उत्तर : विश्व धरोहर स्थल:- विश्वधरोहर स्थल विश्व संस्कृति की दृष्टि से मानवता के लिए महत्वपूर्ण है। इन स्थलों का रख रखाव संरक्षण "यूनेस्को" द्वारा किया जाता है।

मध्यप्रदेश में 3 विश्वधरोहर स्थल और 2 विश्व धरोहर शहर है जो निम्न प्रकार से है:-

(1) खजुराहो:- मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में अवस्थित चंदेल वंश द्वारा 950-1050 CE के बीच निर्मित किया गया था। खजुराहो मंदिर को 1986 में विश्व धरोहर स्थल में शामिल किया गया। यह मंदिर कामक्रीडा वाली मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। इस मंदिर को तीन समूहों प०, पूर्वी, दक्षिणी में विभाजित किया गया है।

(2) भीम बेटका:- मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित है। यह एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है। शैलचित्रों के लिए प्रसिद्ध है। 2003 में विश्व धरोहर में शामिल। इसकी खोज वर्ष 1957-1958 में डा० विष्णु श्रीधर वाकणकर द्वारा की गई थी।

(3) सांची के स्तूप:- रायसेन में स्थित सांची के "बौद्ध" स्तूप को 1989 में विश्वधरोहर में शामिल किया गया था। इसका निर्माण - सम्राट अशोक ने किया था। गौतम बुद्ध के दो शिष्य - सारिपुत्र और महामौद्गल्यायन की पवित्र अस्थियां यहां है।

दो विश्व धरोहर शहर:- ग्वालियर और ओरछा को विश्व धरोहर शहर के रूप में घोषित किया गया है।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.4) Continued (जारी)

(3-B) महाकवि कालिदास पर लेख लिखिए।

" महाकवि कालिदास → " भार्या विद्योत्तमा नन्तु, उज्जैनी जन्मस्थान, सभा विक्रमादित्य के नवरत्नों में मान। " कालिदास अति पावन नामा, संस्कृतजगत् सकल गुनधामा।। महाकाव्य दुई नाटक तीना मेघदूत ऋतु गीति प्रबीना। शाकुन्तल विक्रम मालविका, रघुकुमार ऋतु मेघ गीतिका। गुण प्रसाद वैदर्भीरीति, रस श्रृंगार उपमान प्रतीति।। दीपशिखा रघुकार कहाए, कवि कुलगुरु "विरुदावलि" पाए।

कालिदास तीसरी-चौथी शताब्दी में "गुप्त साम्राज्य" के "संस्कृत" भाषा के महान कवि और नाटककार थे। उन्होंने भारत की पौराणिक कथाओं और दर्शन को आधार बनाकर रचनाएँ की। कालिदास को राष्ट्रीय कवि का स्थान प्राप्त है। कालिदास के जीवन की महत्वपूर्ण घटना:- कालिदास को मूर्ख से विद्वान बनाने में उनकी पत्नी विद्योत्तमा की अहम भूमिका रही अपनी पत्नी विद्योत्तमा के अपमान से चोटिल कालिदास को आज राष्ट्र कवि बना दिया।

महाकवि कालिदास की रचनाएँ:- छोटी-बड़ी कुल लगभग 40 रचनाएँ हैं। इनमें प्रमुख इस प्रकार से हैं:- 1. अभिज्ञानशाकुन्तलम्, 2. विक्रमोर्वशीयम् 3. मालविकाग्निमित्रम्। दो महाकाव्य - रघुवंशम् और कुमारसंभव। दो खण्डकाव्य - मेघदूत, ऋतुसंहार हैं।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न मे आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

प्रश्न 3: (3.1) Continued (जारी) बुन्देला रियासत पर लेख लिखिए।

(3-C) बुन्देला की उत्पत्ति :- बुंदेलों के बारे में माना जाता है कि ये विंध्य वासिनी देवी के उपासक थे [illegible] से पहले 'विंध्येला' कहलाए। इसी से बुंदेला की उत्पत्ति हुयी। बुन्देला रियासत में सबसे महत्वपूर्ण ओरछा के बुन्देला प्रमुख हैं। ओरछा राज्य की स्थापना :- ओरछा राज्य की स्थापना मलखान सिंह के पुत्र रुद्रप्रताप बुंदेला ने की। बुन्देलों की नवीन राजधानी ओरछा 1531 की बनाई गई। जो बेतवा नदी के किनारे बसा है। लोदी वंश का पतन तथा मुगलकाल का उत्थान इन्हीं के शासन काल में हुआ। इनके बाद - भारतीचन्द (1531-1554) बने इन्होंने ओरछा को बुन्देलखण्ड की पूर्णरूपेण राजधानी बनाया। फिर मधुकरशाह - 1554-1592) तथा रामशाह बुन्देला (1592-1605)। फिर वीरसिंह बुन्देला (1605-1627) ई० में शासक बने। इन्होंने अकबर के मंत्री 'अबुलफजल' की हत्या की थी। इन्होंने ही बुन्देली स्थापत्य शैली को जन्म दिया। सागर मे स्थित धामोनी का किला इन्हीं के द्वारा बनाया गया। ओरछा रियासत में अन्तिम शासक विक्रमजीत सिंह - 1776-1817 ई० मे बना।

"पन्ना राज्य" ⇒ पन्ना राज्य की स्थापना 1675 में 'छत्रसाल' ने की। छत्रसाल बहुत ही शक्तिशाली शासक था जिसने मुगल शासक "औरंगजेब" को युद्ध में गोरिल्ला नीति से पराजित किया था। इनके बारे में एक कहावत है - 'इत जमुना उत नर्मदा, इत चम्बल उत टोंस। छत्रसाल सों लरन की, रही न काहू हौंस।' इस प्रकार बुन्देलों का राज्य बहुत ही शक्तिशाली राज्य था।

कौटिल्य एकेडमी

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आंतरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Que. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.1) होलकर वंश पर लेख लिखिए।

(3-D)

उत्तर : होलकर वंश - उत्पत्ति :- होलकर वंश पूर्व में वीरकर वंश के नाम से प्रसिद्ध था। इनके पूर्वज गोकुल (मथुरा) से थे। धनगर जाति के माने जाते थे। ये पुना के समीप नीरा नदी के किनारे "होलगाँव" में रहने लगे यहीं से इस वंश का नाम "होलकर वंश" पड़ा।

मध्यप्रदेश में होलकर वंश की स्थापना :- म०प्र० का इन्दौर भारत मुगल साम्राज्य द्वारा मंजूर 3 मार्च 1716 से कंपेल के नंदलाल मंडलोई द्वारा स्थापित एक स्वतन्त्र रियासत थी जिसको उन्होंने मराठों के "मल्हार राव होलकर को खान नदी के पास शिविर के लिए अनुमति दी थी। अतः इन्दौर में "होलकर वंश की" स्थापना "मल्हारराव होलकर द्वारा की गयी।

मल्हारराव होलकर :- होलकर वंश के संस्थापक। 1733 में पेशवा ने इंदौर के 9 परगना क्षेत्र मल्हारराव को दिया। 1740 में इंदौर में राजवाड़े का निर्माण कराया। 1750 में छतरीबाग की स्थापना की।

पानीपत का तृतीय युद्ध :- 1761 में पानीपत के III युद्ध में इनकी मराठों की ओर से अहम् भूमिका थी। सदाशिव राव की वजह से युद्ध से अलग।

खांडेराव होलकर, मालेराव होलकर (1766)।

अहिल्याबाई होलकर (1767 - 1795) - मालवा साम्राज्य की मराठा होलकर महारानी थी। बनारस में 'मणिकर्णिका घाट' का निर्माण कराया। गया के 'विष्णुपद मंदिर' का निर्माण कराया। महेश्वर में साड़ी उद्योग की स्थापना की। शिवभक्त थी।

अन्य राजा → तुकोजीराव प्रथम से लेकर अन्तिम राजा - यशवंतराव होलकर - II (1926 - 1948 ई०) तक चला।

www.kautilyaacademy.com Phone No. 0731-4226615, 4266821 Mob. 98939 29541, 94250 68121

प्रश्न 3. इस प्रश्न में 04 दीर्घ उत्तरीय उप-प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर हेतु आदर्श शब्द सीमा 200 शब्द है। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न में आंतरिक विकल्प भी हो सकता है। अभ्यर्थी जिस आतंरिक विकल्प का उत्तर दे रहे हैं उसका स्पष्ट उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्यतः करें। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। 04x20=80

Quc. 3 This question contains 04 long answer type sub-question. Answer each question in ideal 200 words. All quesions are compulsory. Internal coice can ve given in the question. The candidate has to explicitly indicate the option choosen. Each question carries 20 (Twenty) marks.

पू./M = 20

प्राप्तांक

प्रश्नः (3.2) मध्यप्रदेश में स्वतन्त्रता आंदोलन का वर्णन करें।

3-E

उत्तर : मध्यप्रदेश में स्वतन्त्रता आन्दोलन :- 1818 ई० में [illegible] महाकौशल ने सर्वप्रथम मध्यप्रदेश में अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का बिगुल फूंका। इस विद्रोह के कारण अंग्रेजों द्वारा नागपुर के शासक अप्पा जी भोंसले को मण्डला, बैतूल, सिवनी, कछार का क्षेत्र वापस करना था।

खण्डवा के सुबोध सिन्धु और जबलपुर (समाचार) के प्रकाशन के साथ राष्ट्रवाद का प्रचार बढ़ने लगा।

मध्यप्रदेश में स्वतन्त्रता आन्दोलन सर्वप्रथम 5 जून 1857 को नीमच छावनी से शुरू हुआ। 1 जुलाई 1857 को सआदत खाँ के नेतृत्व में इन्दौर में भड़का। मंडलेश्वर, सेंधवा आदि क्षेत्रों में इस क्रांति का नायक 'भीमा नायक' बना। मंडला में रामगढ़ की रानी ने बिगुल फूंका था। परन्तु मध्यप्रदेश के क्रांतिकारियों में आपसी सहयोग न होने से अंग्रेजों ने विद्रोह को दबा दिया। मध्यप्रदेश के कुछ महत्वपूर्ण आंदोलन हुए-

1. जबलपुर झण्डा सत्याग्रह - 1923 में हुआ।

2. नागपुर में झण्डा सत्याग्रह हुआ। 3. नमक सत्याग्रह 6 अप्रैल 1930 को सेठ गोविन्ददास और द्वारिका प्रसाद मिश्र ने किया। 4. जंगल सत्याग्रह - 1930 में जबलपुर से सर्वप्रथम जंगल सत्याग्रह दुरिया (सिवनी जिला) तथा घोड़ाडोंगरी (बैतूल) के आदिवासी ने किया था।

चरणपादुका नरसंहार - 14-01-1931 इसे म०प्र० का जलियावाला बाग काण्ड के नाम से भी जाना जाता है।